35वां दीक्षांत समारोह 2017 1
गणतन्त्र दिवस 2
संस्थापक दिवस समारोह 2
राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2017 2
युवा संसद 2017 3
संकाय समाचार 3
एन. सी. सी. 6
एन. एस. एस. 7

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

जनवरी–मार्च 2017
अंक नौ

35वां दीक्षांत समारोह 2017

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में 12 जनवरी 2017 को 35 वां दीक्षांत समारोह धूमधाम से मनाया गया। जिसके मुख्य अतिथि सचिव कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार रोहित नंदन थे। संस्थान का सर्वोच्च फाउंडर्स मेडल छात्र शब्द स्वरूप सत्संगी को प्रदान किया गया। स्नातक और परास्नातक में सर्वोच्च अंक हासिल करने के लिए वेदिका सक्सेना और रोमा पाठक को प्रेसीडेंट मेडल दिया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. प्रेम कुमार कालड़ा ने समारोह की अध्यक्षता की और उन्होंने संस्थान की प्रगति आख्या भी प्रस्तुत की। इस समारोह में 2591 छात्र–छात्राओं को वर्ष 2016 में विभिन्न परीक्षाओं में सफलता के लिए उपाधियाँ प्रदान की गयीं। एमफिल–63, स्नातकोत्तर–398, स्नातक (द्विवर्षीय)–584, स्नातक ऑनर्स–638, पीजी–डिप्लोमा–82, सर्टिफिकेट–(हाईस्कूल–195, इण्टरमीडिएट–216), डिप्लोमा–414। 78 छात्र–छात्राओं को संस्थान के अध्यक्ष ने डायरेक्टर मेडल प्रदान किये। 2 को प्रेसीडेन्ट मेडल दिया गया। 71 छात्र–छात्राओं को विभिन्न विषयों में पी.एच–डी. उपाधि से सम्मानित किया गया। डी.ई.आई. का वर्ष 2016 का डिस्टिंगुइस्ट एल्युमनाई अवार्ड प्रो. प्रेम कुमार कालरा, आई.आई.टी. दिल्ली को प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि श्री रोहित नन्दन ने अपने दीक्षान्त उद्बोधन, 'कौशल विकास एवं उद्यमिता की ओर क्रांतिकारी परिवर्तन' में पारम्परिक शिक्षा एवं कौशल विकास के पारस्परिक सम्बन्ध एवं समन्वय की अपार सम्भावनाओं एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला। श्री नन्दन ने बताया कि वर्तमान समय में विश्व एवं भारतवर्ष के करोड़ों युवाओं के लिए स्वरोजगारोन्मुख कौशल विकास के अतुलनीय अपार अवसर पैदा हो रहे हैं। इस नवीन कौशल क्रांति के द्वारा विश्व समाज में आर्थिक समानता एवं पारस्परिक सामूहिक उन्नति के लक्ष्य को सफलता पूर्वक प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट की अभिनव शिक्षा प्रणाली में इस तरह के शैक्षणिक, मानसिक एवं मानवीय विकास के सारे तत्त्व स्वाभाविक रूप से अंतर्निहित हैं एवं इसके द्वारा यह संस्थान न सिर्फ देश में बल्कि विदशों में भी अपनी आधुनिक एवं अभिनव शिक्षा पद्धति के द्वारा दिन–प्रतिदिन सामाजिक एवं आर्थिक विकास के नये आयाम स्थापित कर रहा है एवं अवसर प्रदान कर रहा है।

दीक्षांत भाषण के अन्त में मुख्य अतिथि श्री रोहित नन्दन ने विश्वास व्यक्त किया कि दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी) के छात्र–छात्राओं द्वारा ग्रहण की गई मूल्य आधारित उच्च शैक्षणिक योग्यता, प्रशिक्षण एवं पवित्र संस्कार उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ायेंगे तथा वे देश की प्रगति में सफल योगदान देने में पूर्णतः सक्षम सिद्ध होंगे।

संस्थान के निदेशक प्रो. प्रेम कुमार कालड़ा ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि डी.ई.आई. एवं दयालबाग़ के शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक परिवेश में स्वरोजगार एवं कौशल विकास का सफल मॉडल पिछले 100 वर्ष से भी अधिक समय से अनवरत रूप से प्रगतिशील है। संस्थान के दूरदर्शी संस्थापकों ने भारतवर्ष में आर्थिक एवं सामाजिक स्वावलम्बन, समानता एवं सम्मिलित विकास के सिद्धांत को संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक विषयों एवं विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों यथा डेरी टेक्नोलॉजी, ग्रामीण प्रशिक्षण केन्द्र, सहकारिता आधारित उद्यमों, कृषि शिक्षा, चेतना विज्ञान, क्वांटम नैनो टेक्नोलॉजी, भाषायी निपुणता तथा अन्य विभिन्न प्रकार की उत्पादक पहल के द्वारा निरन्तर विकसित किया है। संस्थान ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कम्पनियों के साथ व्यावसायिक अनुबन्ध के द्वारा यहां के छात्रों के लिए कौशल विकास एवं विभिन्न प्रकार के रोजगारों के लिए प्रशिक्षण के अपार अवसर प्रस्तुत किए हैं। डी.ई.आई. देश के विभिन्न आदिवासी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार आधारित शिक्षा के अवसर उत्पन्न कर वहां के आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए निरन्तर प्रयासरत है। समारोह के अंत में प्रो. प्रेम कुमार कालड़ा ने मुख्य अतिथि एवं समस्त अतिथियों, शिक्षक समुदाय, विद्यार्थियों, आयोजकों एवं कार्यकर्त्ताओं का आभार व्यक्त किया।

गणतन्त्र दिवस

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट दयालबाग़, आगरा में 68वें गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में 11.30 बजे ध्वजारोहण मुख्य अतिथि डॉ. वी.एम. कटोच, एफ.एन.ए., पूर्व डायरेक्टर जनरल आर.सी.एम.आर. द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर एन.सी.सी. केडेट्स ने दिया जिसमें पहली बार लड़कियाँ शामिल थीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ परेड से हुआ जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों एवं कॉलेज के छात्र/छात्रायें शामिल थे। परेड में महिला वर्ग में विज्ञान संकाय एवं प्रेमविद्यालय को शील्ड प्रदान की गयी एवं पुरुष वर्ग में अभियांत्रिकी संकाय को। इस उपलक्ष्य पर दिव्यांग छात्र/छात्राओं के लिये खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया था, जिसमें 50 मीटर रेस में शिक्षा संकाय की ज्योति प्रथम, हिना शर्मा द्वितीय, सर्वेश कुमारी तृतीय और रेनू सिंह को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। सौ मीटर रेस में शिक्षा संकाय की कुमारी कामिनी प्रथम, सुजाता द्वितीय, ज्योति तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार सुमन एवं तान्या शर्मा को दिया गया। इसी उपलक्ष्य में दस हज़ार मीटर रेस का भी आयोजन किया गया जिसमें टेक्नीकल कॉलेज के योगेन्द्र सिंह प्रथम, समाज विज्ञान संकाय के संतोष कुमार द्वितीय एवं टेक्नीकल के तेजेन्द्र सिंह तृतीय रहे। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में सभी को गणतन्त्र दिवस की शुभकामनायें देते हुये उत्तरोत्तर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कविता रायज़ादा एवं डॉ. मालविका गुप्ता ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रेम शंकर सिंह ने किया। इस अवसर पर संस्थान निदेशक प्रो. पी.के. कालड़ा, कुलसचिव प्रो. आनन्द मोहन, कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी, प्रो. जे.के. वर्मा., श्री एस.के. नैय्यर एवं समस्त संकायप्रमुख, विभागाध्यक्ष, शिक्षक उपस्थित थे।

संस्थापक दिवस समारोह

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट ने शिक्षा के अपने 100 वर्ष पूर्ण होने पर प्रतिवर्ष होने वाले संस्थापक दिवस का आयोजन लगातार दो दिन 30–31 जनवरी 2017 तक किया। जिसमें सभी संकायों के साथ नवीन पाठ्यक्रमों से जुड़े सभी छात्रों एवं अध्यापकों ने सहभागिता की जिसके अन्तर्गत उन्होंने अपने–अपने विभाग के इतिहास को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न मॉडल्स, चित्रकला, मूर्तिकला, सिलाई, बुनाई, रंगाई के साथ संस्थान में ही बनी खाद्य सामग्री को भी प्रदर्शित किया, बहुत कम मूल्य में उपलब्ध इस सामग्री को बाहर से आए लोगों ने उत्साह के साथ खरीदा। दो दिवस के इस समारोह में अखण्ड पाठ के द्वारा भक्ति की धारा अनवरत बहती रही। विभिन्न नुक्कड़ नाटकों के द्वारा सामाजिक विषमताओं को रोचक रूप में प्रस्तुत करते हुए सामाजिक चेतना जाग्रत की गई। इस अवसर पर संस्थान के एन एस एस सेल के स्वयं सेवकों और स्टॉफ ने अपनी अनूठी गतिविधियों जैसे कि होल–इन–द– वॉल, चौपाल, अंग्रेजी बोलना और ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित ग्रामीण सहायता पर लाइव प्रस्तुतिकरण किया, सभी प्रयासों के सुफल रूप में परमादरणीय हुज़ूर प्रोफेसर पी.एस. सत्संगी साहब की उपस्थिति ने समारोह को महती गरिमा प्रदान की।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2017

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट के छात्रों ने पुनः अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय देते हुए शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर, महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2017 में प्रतिभागिता की और 10–14 फरवरी 2017 के इस आयोजन में चार प्रतियोगिताओं में स्थान हासिल किया–भारतीय समूह गान (अंशिका फौजदार, इशिता भटनागर, अर्शा सत्संगी, रिचा शर्मा, ओस सत्संगी, आरती सरीन)–प्रथम, शास्त्रीय गायन (महिमा सिन्हा)–तृतीय, वाद्ययन्त्र वादन (डी.उदय)–तृतीय, रंगोली(डॉली कुमारी)–चतुर्थ।

युवा संसद 2017

दयालबाग़ विश्वविद्यालय के अन्तर्राष्ट्रीय सभागार में 6 फरवरी 2017 को प्रातः 10.00 बजे विराजमान थी युवा संसद, जिसमें मंत्रिमण्डल के साथ–साथ मौजूद था विपक्ष। ज्वलन्त मुद्दे जिनका वायदा सरकार द्वारा पूर्व में किया गया था लेकिन वह अभी तक पूर्ण क्यों नहीं हो पाये ? इसका जवाब दे रहे थे देश के युवा मंत्री। प्रश्नकाल में विपक्ष द्वारा रेलवे सुरक्षा, गुमशुदा बालकों की समस्या आदि पर शान बत्रा, प्रज्ञा, महिमा सत्संगी ने सरकार पर प्रहार करते हुये सवाल पूछे, तो उनका जवाब अनुभा सिंह, जनविजय सिंह और यदु अग्रवाल ने दिया। बिल पेश किया मानव संसाधन मंत्री अंबिका रेड्डी ने, जिसमें सरकार द्वारा सामान्य स्कूल प्रणाली विधेयक भी रखा गया। विधेयक में सरकार द्वारा सभी बच्चों को मुफ़्त शिक्षा एवं सामान्य शिक्षा बोर्ड बनाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। गंभीर मुद्दों पर चर्चा के दौरान कभी–कभी विपक्ष की ओर से सरकार पर कटाक्ष भी किये गये।

युवा संसद की अध्यक्षता की ऋमांशी मुकुन्द ने । निर्णायक मण्डल में थे – ब्रितिन सेन गुप्ता, पूर्व एम.पी, राज्य सभा, श्री विरेन्द्र कटारिया, सांसद, राज्य सभा एवं भूतपूर्व लेफ्टीनेंट गवर्नर पांडिचेरी, प्रो. कुशल सेन, आई.आई.टी, दिल्ली, युवा संसद उपसचिव श्री आर.सी. मोहन्ती एवं विभागीय अधिकारी श्री सविधा मोहन। अपने उद्बोधन में भूतपूर्व लेफ्टीनेंट गवर्नर पांडिचेरी एवं राज्य सभा सदस्य, ने युवा सांसदों को हृदय से बधाई दी और संसद में युवा मंत्रियों द्वारा संतोषजनक जवाबों एवं विपक्ष द्वारा उठाये गये ज्वलन्त मुद्दों की सराहना की। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत संस्थान निदेशक प्रो. पी.के. कालड़ा ने किया। परिचय डॉ. सोना आहूजा, डॉ. मालविका गुप्ता एवं डॉ. अनूप सिकरवार ने दिया। डॉ.विनोद खोबरागड़े ने संसद के नियम बताये। निर्णायक मण्डल को संस्थान के निदेशक प्रो. पी. के. कालड़ा द्वारा मोमेंटो प्रदान किया गया और संस्थान में उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिये धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. कविता रायज़ादा एवं मिस पूर्णिमा भटनागर ने किया। इस अवसर पर संस्थान कुलसचिव डॉ. आनन्द मोहन, कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी, श्री एस.के. नैय्यर, प्रो. जे.के.वर्मा आदि उपस्थित थे। आयोजक मण्डल में समन्वयक प्रो. नन्दिता सत्संगी के साथ प्रो. एस.के. चौहान, प्रो. प्रवीन सक्सेना, प्रो. एस.पी. सतसंगी, डॉ. ईश्वर स्वरूप सहाय, डॉ. रूपाली सतसंगी, डॉ. बृजराज सिंह, डॉ. अगम प्रसाद त्यागी, श्री मयंक अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

संकाय समाचार

कला संकाय

● संस्कृत–व्याख्यान वल्लरी 2017 के अन्तर्गत संस्कृत विभाग द्वारा द्विदिवसीय (दि० 22 मार्च एवं 23 मार्च 2017 को) व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें 22 मार्च को जगद्गुरू रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. ताराशंकर पाण्डेय ने अनुवाद–प्रक्रिया एवं प्रो. शशिकुमार शर्मा ने पाण्डुलिपि विज्ञान पर व्याख्यान किया। 23 मार्च को प्रो. पतंजलि कुमार भाटिया, पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने भारत से बाहर के शिलालेख विषय पर प्रकाश डाला एवं प्रो. सुरेन्द्र कुमार, एम.डी. यूनिवर्सिटी रोहतक ने भारतीय दर्शन में चेतना का स्वरूप विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उपचारात्मक शिक्षण योजना के सदस्य सचिव प्रो. एल.एन. कोली के निर्देशन में व्याख्यान सम्पन्न हुए। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. अगम कुलश्रेष्ठ एवं संयोजक डॉ. निशीथ गौड़ थीं। इस अवसर पर संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. गिरिराज कुमार, प्रो. उर्मिला आनन्द, प्रो. मीरा शर्मा, प्रो. मंजु भटनागर डॉ. अभिमन्यु, डॉ. इन्दू, डॉ. संगीता आदि उपस्थित थे।

● दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट के हिन्दी विभाग में 'लेखक से मिलिए' कार्यक्रम के अंतर्गत आमंत्रित रचनाकार वरिष्ठ कवि मंगलेश डबराल ने अपनी रचनायात्रा पर वक्तव्य दिया। समकालीन कविता के बड़े हस्ताक्षर मंगलेश जी ने बचपन की स्मृतियों से काव्यसंस्कार के निर्मित होने की बात की और

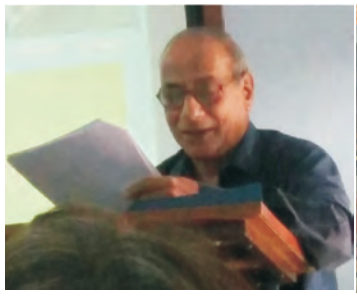

कहा कि स्मृति और कल्पना के मेल से कविता पैदा होती है। आठवें दशक की कविता विस्थापन की स्मृतियों से आगे बढ़ी है। कविता सिर्फ यथार्थ को ही अभिव्यक्त नहीं करती है, बल्कि हमारी आकांक्षा का प्रति संसार भी रचती है। हमारी पीढ़ी ने कविता से एक भावी समाज के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया ह। यह उस रोमान से भिन्न है जो 'उस पार न जाने क्या है' के मुहावरे से अभिव्यक्त होती है। अपने समय की विडंबनाओं से टकराने का साहस कविता ही करती है। मंगलेश जी ने कविता के संकट की बात भी की और उसके संभावना की भी। कार्यक्रम के अंत में करीब एक घंटे तक उन्होंने 'मेरा दिल', एक पत्थर, माँ, पिता,समय नहीं है, टार्च, आसान शिकार आदि कविताओं का पाठ भी किया। मुख्य अतिथि का स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो.शर्मिला सक्सेना ने किया और संचालन शोध छात्रा कंचन बंसवाल ने किया। कार्यक्रम का संयोजन और धन्यवाद ज्ञापन डॉ.प्रेमशंकर ने किया। इस अवसर पर विभाग के एवं अन्य कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों के अध्यापक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

- रिमेडियल कोचिंग के तहत दो दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान (दलित–विमर्श, स्त्री विमर्श अल्पसंख्यक विमर्श, उभयलिंगी विमर्श, आदिवासी विमर्श) का आयोजन दिनांक 23–24 मार्च 2017 को हिन्दी विभाग, कला संकाय में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ दलित साहित्यकारों ने अपने विचारोद्गारों से छात्रों को भावोत्साहित एवं विचार संवेदना से लबरेज़ कर दिया। प्रमुख दलित कवि माननीय मलखान सिंह, प्रो. हंसराज सुमन, प्रो. बलराज सिंहमार, प्रो. सुदेश तनवर, डॉ. हेमलता सुमन, डॉ के.पी. सिंह के क्रमशः दो दिवसीय वक्तव्यों में विभिन्न विमर्शों की पृष्ठभूमि से लेकर उनकी विकास यात्रा का प्रभावी प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्य अतिथि का स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो.शर्मिला सक्सेना ने किया और संचालन शोध छात्रा नीलम बघेल, यशोदा राजपूत ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा एवं डॉ. बृजराज कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सूरज प्रकाश ने किया। कार्यक्रम में विभाग के डॉ0 सुमन शर्मा, डॉ0 दयालप्यारी सिन्हा, डॉ0 प्रेमशंकर सिंह एवं समस्त छात्राएं उपस्थित रहे।
- एक दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान (विषय समकालीन विमर्श,दलित–विमर्श) का आयोजन दिनांक 28 मार्च 2017 को हिन्दी विभाग, कला संकाय में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ हिन्दी दलित साहित्यकार मोहनदास नैमिशराय जी उपस्थित थे। जिनका स्वागत विभागाध्यक्ष प्रो. शर्मिला सक्सेना ने किया। इस कार्यक्रम की संयोजक प्रो. कमलेश कुमारी रवि थी। मोहनदास नैमिशराय ने समकालीन हिन्दी दलित साहित्य में कहानी, आत्मकथा, कविता, उसके उत्थान पतन से सम्बन्धित विषय इत्यादि में चल रही समस्याओं पर गम्भीरता से विचार विमर्श किया। विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर देकर उनको सन्तुष्ट भी किया। इस कार्यक्रम का संचालन शोध छात्रा प्रीति द्वारा किया गया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन प्रो0 कमलेश कुमारी रवि ने किया। इस कार्यक्रम में विभाग के डॉ0 सुमन शर्मा, डॉ0 नमस्या, डॉ0 दयालप्यारी सिन्हा, डॉ0 सूरज प्रकाश, डॉ0 बृजराज सिंह, डॉ0 प्रेमशंकर सिंह उपस्थित रहे।
- दिनांक 18 मार्च 2017 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर के आधुनिक विभाग द्वारा प्रेमचंद और हिन्दी कहानी विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। डॉ. प्रेमशंकर सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में संगोष्ठी को संबोधित किया।
- दिनांक 19 मार्च 2017 जयपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की संगोष्ठी में प्रेमशंकर सिंह ने एक सत्र की अध्यक्षता की, जिसका विषय था–'समाजिक विकास एवं विस्थापन संदर्भ और चुनौतियाँ।'
- राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रेमशंकर सिंह एवं डॉ सुमन शर्मा ने लखनऊ में आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (21–27 फरवरी, 2017) में भाग लिया।

वाणिज्य संकाय

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (एम.डी.एन.सी.पी.डी.आर.–2017)

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट, में प्री.डॉक्टरल रिसर्च विषय पर आधारित दो दिवसीय संगोष्ठी दिनांक 12–13 फरवरी का आयोजन 12 फरवरी को प्रातः 10.00 बजे उद्घाटन के साथ हुआ। जिसमें सत्रीय अध्यक्ष प्रो. पी.के. कालड़ा, निदेशक डी.ई.आई.,मुख्य अतिथि प्रो. पम्मी दुआ, निदेशक, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. ए.के.सक्सेना, डी.ई.आई. थे।

स्वागत भाषण एवं परिचय प्रो. वी.के. गंगल ने दिया। इसमें संस्थान के समस्त छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। सबसे पहले सेशन प्रेसीडेन्ट, संस्थान निदेशक प्रो. पी. के. कालड़ा ने छात्र/छात्राओं को अपने अनुभव बताते हुये प्रेरित किया। मुख्य अतिथि प्रो. पम्मी दुआ निदेशक, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स ने अपने उद्बोधन में छात्र/छात्राओं को शोध के महत्त्वपूर्ण टिप्स दिये। विशिष्ट अतिथि प्रो. ए.के.सक्सेना, डी.ई.आई. ने शोधार्थियों को आशीर्वचन दिए।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. एल.एन. कोली थे संगोष्ठी में देश के विभिन्न क्षेत्रों से लोग भाग लेने आये जैसे भोपाल ए. आई. एस. ई. टी. यूनिवर्सिटी से प्रो. दीप्ति माहेश्वरी एवं प्रो. संगीता जौहरी, मैनेजमेन्ट स्कूल ऑफ इग्नू से प्रो. नवल किशोर, सेन्ट जॉन्स कॉलेज से प्रो. अजय तनेजा, प्रो. एच. सी. पुरोहित, डी.ई.आई से प्रो. सन्त प्रकाश, एवं डॉ. मांगे राम।

संगोष्ठी का संचालन डॉ. कविता रायज़ादा ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अनीशा सत्संगी ने किया। इस अवसर पर

प्रो. शिव कुमार, प्रो. एस. पी. सिंह, डॉ. ज्योति गोगिया, डॉ. निशीथ गौड़, डॉ. नेहा शिवहरे, डॉ. नमिता भाटिया के साथ–साथ शिक्षकगण, कार्यकारी सदस्य उपस्थित थे।

विज्ञान संकाय

- दिनांक 28 फरवरी 2017 को विज्ञान संकाय सभागार, डी.ई.आई. में प्रातः9 बजे विज्ञान दिवस मनाया गया। आई.आई.टी. दिल्ली से पधारे मुख्य वक्ता प्रो. एम.बालाकृष्णन ने अपने उद्‌बोधन में बताया कि उन्होंनें दिव्यांगों के लिये एक ऐसी स्मार्ट केन बनाई है जिसके माध्यम से वह कहीं भी आ जा सकते हैं। यह स्टिक अल्ट्रासाउंड और वाइब्रेशन के माध्यम से रास्ते में आने वाले अवरोधों से दिव्यांगों को सचेत करेगा, जिससे उन्हें आवागमन में किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी। दिव्यांगों को शिक्षा में सहायता हेतु उन्होनें टेक्सटाइल ग्राफ भी बनाया है। इस ग्राफ के माध्यम से किसी भी तरह की पिक्चर को दिव्यांग आसानी से समझ पायेगा और उस पिक्चर में क्या दर्शाया गया है उसका उसको अहसास भी हो जायेगा। यह सुविधा अभी तक दिव्यांगों के लिये विकसित देशों में उपलब्ध थी जो कि बहुत ही मंहगी थी किन्तु अब बहुत ही कम कीमत पर उन्होनें इसे भारतवर्ष में उपलब्ध कराया है। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय भाषण में पदमश्री डॉ. डी.के. हाजरा ने विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं के समक्ष अपने अनुभव साझा किये और कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं क्योंकि डी.ई.आई. के माध्यम से हमें ऐसी महान शख्सियतों से मिलने और उन्हें सुनने का मौका मिलता है। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं धन्यवाद विज्ञान संकाय की छात्राओं कुमारी आरती एवं काजल ने किया इस अवसर पर डॉ. पी.के.कालड़ा, आई.आई.टी., दिल्ली, प्रो. साहब दास, प्रो.एम.एम. श्रीवास्तव, प्रो. जी.एस.त्यागी, प्रो. के.महाराज कुमारी, डॉ. सी. वसन्ता लक्ष्मी, डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, डॉ. अरुन सिकरवार, डॉ. राधिका सिंह, डॉ. पुष्पा साहनी, डॉ. रंजीत कुमार एवं छात्र/छात्रायें उपस्थित थे।
- डॉ. कविता रायज़ादा की शकुन्तला, संस्कृत पाठ्य पुस्तक, छठी, सातवीं, एवं आठवीं कक्षा, आईएसबीएन 978–93–81124–29–1, दैनिक समाचार पत्र डी एल ए में, विश्व जल दिवस पर प्रकाशित लेख पानी को आज से और अभी से बचाएं, पृ. 6 दिनाक 22 मार्च 2017,आगरा दैनिक समाचार पत्र आई नेक्स्ट में प्रकाशित लेख भविष्य में पानी की एक बूंद होगी कीमती, लेख प्रकाशित हुए एवं आकाशवाणी आगरा से दिनांक 22 मार्च को काव्य पाठ प्रसारित हुआ।

समाज विज्ञान संकाय

- प्रोफेसर स्वामी प्रकाश श्रीवास्तव को शिक्षा के क्षेत्र मे उनकी व्यक्तिगत उपलब्धियों के लिए लोकसभा की वर्तमान अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार के द्वारा नई दिल्ली के इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में 14 जनवरी 2017 को भारत रत्न डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम एक्सीलेंस पुरस्कार प्रदान किया गया।
- समाजशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग ने दिनांक 31 मार्च 2017 को 'हायर एजुकेशन फोर पर्सन विद स्पेशल नीड्स–रिहेविलिएशन ऑफ पर्सन्स विद स्पेशल नीड्स' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि डॉ. पूजा मुकुल जयपुर तथा डॉ. सी. पी. पाल विभागाध्यक्ष अस्थि रोग, एस. एन. मेडिकल कालेज आगरा तथा अतिथि डॉ. रीता अग्रवाल निदेशक टीयर्स, श्री विवेक रायजादा संस्थापक 'हमारे बच्चे', प्रोफेसर एस. के. गौर संकाय प्रमुख अभियांत्रिकी संकाय डी. ई. आई. आदि ने विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। सत्र संचालन डॉ. लजबंत सिंह, डॉ. बीरपाल सिंह ठैनुआं, डॉ. विनोद खोबरागाड़े, डॉ. दीप्ति प्रिया मेहरोत्रा, डॉ. आइ. एस. सहाय ने किया। विभागाध्यक्ष तथा कार्यशाला की समन्वयक प्रोफेसर पूर्णिमा जैन ने अतिथियों का परिचय दिया तथा कार्यशाला के उद्‌देश्य को स्पष्ट किया। कार्यशाला के आयोजन में समाजशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग के सभी सदस्यों ने अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।
- समाजशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग ने दिनांक 20–21 फरवरी 2017 को 'री थिंकिंग ऑन सोशियो पॉलिटिकल आर्डर' विषय पर दो दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता प्रोफेसर अब्दुल वहीद अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़, प्रोफेसर सी. एन. चौधरी बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल, प्रोफेसर अब्दुल रहीम बीजापुर अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़ तथा प्रोफेसर शशि सहाय पूर्व विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर ने व्याख्यान दिया। व्याख्यान के समन्वयक डॉ. विनोद खोबरागाड़े ने सभी को धन्यवाद दिया। व्याख्यान आयोजन में डॉ. लजबंत सिंह, डॉ. बीरपाल सिंह ठैनुआं, डॉ. आइ. एस. सहाय सहित सभी ने अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।
- डॉ. बीरपाल सिंह ठैनुआं का शोध पत्र 'खाप पंचायत्स एण्ड देयर रिजोल्यूशन ऑफ 1950– ए सोशियोलोजिकल इंटरप्रिटेशन' रिमॉरकिंग एन एनालाइसिस' आइ एस एस एन 2394–0344 प्रिन्ट, आइ एस एस एन 2455–0817 ऑनलाइन, वॉल्यूम 01, इश्यू 10, जनवरी 2017 (कानपुर) में प्रकाशित हुआ।
- डॉ. संजय भूषण ने आई. आई. टी. कानपुर द्वारा 10 से 12 फरवरी 2017 को आयोजित सिक्सथ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ह्यूमन वैल्यूज़ इन हायर एजूकेशन' में 'विजन फॉर ह्यूमन एजूकेशन' विषय पर आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया।
- डॉ. संजय भूषण का लेख ग्लोबल चेलेंज एण्ड वैल्यू बेस्ड क्वालिटी एजुकेशन फॉर होलिस्टिक डवलपमेंट इन हायर लर्निंग इंस्टीट्यूशन्स, सिक्स हायर एजुकेशन इन वर्ल्ड रिपोर्ट, वर्ल्ड गनी रिपोर्ट 2017, मार्च 2017 में प्रकाशित हुआ।
- डॉ. संजय भूषण का शोध पत्र सिस्टम डायनमिक्स मॉडलिंग बेस्ड एनालाइसिस ऑफ कोम्बेटिंग काउन्टरफीट ड्रग्स सप्लाई चेन इन इण्डिया 'इण्टरनेशनल जरनल ऑफ इमरजेंसी मैनेजमेण्ट' इण्डरसाइंस पब्लिशर्स, वॉल्यूम 13, इश्यू 1, जनवरी 2017 में प्रकाशित।

शिक्षा संकाय

मिस दयाल संधू सीनियर रिसर्च फेलो, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन बी.एड. इंटर्नशिप के लिए सुपरवाइजर के तौर पर दिनांक 5.2.17 से 25.5.17 तक राधास्वामी आदिवासी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजाबरारी गईं। इटर्नशिप प्रोग्राम के दौरान उनको और उनके टीम मैम्बर को प्रोफेसर सलोमप हंन

यूनिवर्सिटी नीदरलैंड का सान्निध्य प्राप्त हुआ। उन्होंने और उनकी टीम ने ट्रेन्ड टीचर प्रोग्राम के अन्तर्गत विभिन्न प्रभावी गतिविधियों का आयोजन किया जिसके अन्तर्गत–कम्प्यूटर शिक्षा, सम्प्रेषण क्षमता और व्यक्तित्व का विकास, जीवन में रोजगार की संभावनाएं, कैशलैस ट्रांजेक्शन, वैदिक गणित, संगीत वादन, सोयाबीन से दुग्ध निर्माण, आदि विषयों पर विभिन्न कार्यशालाएं कीं, अंत में उन्हें और उनकी टीम को उचित कार्यान्वयन के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बी.एड. कोर्स कोआर्डिनेटर प्रो. अर्चना कपूर ने भी राजाबरारी की विभिन्न गतिविधियों के सन्दर्भ में दिशा–निर्देश दिए।

टेक्नीकल कॉलेज

श्री मयंक अग्रवाल एवं श्री राजीव सत्संगी ने अध्यवसायी विकास कार्यक्रम पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया जो कि ई.एस.सी.आई/टी.ई.ज़ेड द्वारा ओसमानिया विश्वविद्यालय से सम्बद्ध इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज, हैदराबाद, में दिनांक 10–11 जनवरी 2017 को आयोजित की गई। कार्यशाला में उन्हें सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागिता का अवॉर्ड प्रोफेसर डी. एन. रेड्डी, निदेशक इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज (ई.एस.सी.आई) द्वारा प्रदान किया गया।

एन. सी. सी.

एन.सी.सी. सप्ताह–डी.ई.आई. टेक्नीकल कॉलेज ने मार्च में दिनांक 20 मार्च से 25 मार्च तक एन.सी.सी सप्ताह के रूप में मनाया। जिसमें टेक्नीकल कॉलेज के एन.सी.सी.कैडेट्स ने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। सबसे पहले दिन 20 मार्च को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 40 कैडेट्स ने हिस्सा लिया और जल संरक्षण पर पोस्टर बनाए। जिसमें दूसरे संकाय के शिक्षकों द्वारा शीर्ष पाँच विजेताओं का चयन किया गया। विजेताओं को एन. सी. सी. दिवस पर सम्मानित किया जाएगा। दूसरे दिन 21 मार्च को एन. सी. सी. कैडिटों ने स्वच्छ भारत अभियान चलाया। जिसके अंतर्गत पोईयाघाट रोड पर सफाई की गई। यह अभियान नगर पंचायत दयालबाग़ की मदद से संपन्न हो पाया। श्रीमती मेहरा अध्यक्ष नगर पंचायत दयालबाग़ एवं उनकी टीम ने ज़ीरो वेस्ट नीति से अवगत कराया एवं कैडिट्स को इसके लिए प्रोत्साहित भी किया। इसी दिन राधानगर का सर्वेक्षण कराया गया सब को सॉलिड वेस्ट रिसाइकिल सेटअप दिखाया एवं उसकी कार्य प्रणाली भी समझाई गयी। दिनांक 22 मार्च को विश्व जल दिवस पर संरक्षण रैली का आयोजन किया गया। रैली की शुरूआत संकाय से हुई एवं बसेरा के रास्ते अदनबाग़, ऐलोरा होते हुए दयालबाग़ रोड पर इसका समापन हुआ। रैली के दौरान नुक्कड़ नाटक की भी प्रस्तुति दी गई। इसी दिन भूतपूर्व मेजर प्रीतम सिंह ने जल संरक्षण के विषय पर एक लेक्चर देकर कैडिट्स को जल संरक्षण की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। दिनांक 23 मार्च को "रक्त दान शिविर" का आयोजन टेक्नीकल कॉलेज में कराया गया। इसमें अविश्वसनीय 281 यूनिट रक्तदान किया गया। जिसमें 192 छात्र, 55 छात्राएँ एवं 14 शिक्षकों ने रक्त देकर इस शिविर को संपन्न किया जिसमें की 82 दाताओं के साथ टेक्नीकल कॉलेज शीर्ष पर रहा। इस शिविर में आमंत्रित मुख्य अतिथि "कमान अधिकारी 1 यू.पी. बटालियन कर्नल आर.के.वर्मा ने यहाँ के छात्र–छात्राओं के जोश, उत्साह एवं अनुशासन को सराहा एवं शिक्षण संस्थान की प्रशंसा की। दिनांक 24 मार्च को विश्व क्षय रोगदिवस पर भी रैली का आयोजन किया गया, रैली का आरंभ आर.ई.आई इण्टर कॉलेज से हुआ एवं गाँव जगनपुर से होते हुए न्यू आगरा से आर.ई.आई पर ही इसका समापन हुआ। इस रैली में कैडिटों ने लोगों को 'क्षय रोग' से अवगत कराया एवं धूम्रपान व तम्बाकू के सेवन को निषेध बताया। दिनांक 25 मार्च को "ई–ट्रान्जेक्शन जागरुकता अभियान" का आयोजन किया गया। जिसमें कैडिट्स ने न्यू आगरा के व्यापारियों के पास जा–जाकर उन्हें ई.ट्रान्जेक्शन से अवगत कराया एवं वन स्टेप ऑफ डिजिटलाइजेशन के लिए भी प्रोत्साहित किया।

8 फरवरी डी.ई.आई. टेक्नीकल कॉलेज के इतिहास में स्वर्णिम दिवस के रूप में स्मरणीय रहेगा। इस दिन एन.सी.सी के अंडर ऑफिसर इंद्रजीत सिकरवार को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक ने उन्हें 3000 रूपये के नकद पुरस्कार सहित राजभवन में दिया।

टेक्नीकल कॉलेज में एन.सी.सी पिछले 75 वर्षों से की जा रही है लेकिन यह पहला मौका है जब टेक्नीकल कॉलेज ने गणतंत्र दिवस कैम्प में हिस्सा लिया। इसमें आगरा ग्रुप के 60 कैडिट्स में से कुल 13 का चयन हुआ जिसमें से चार 1 यूपी

वाहिनी एन.सी.सी से हुए जिनमें 3 कैडिट्स राहुल त्यागी, इंद्रजीत सिकरवार, विशाल पचौरी डी.ई.आई टेक्नीकल कॉलेज के थे। सीनियर अंडर ऑफिसर राहुल त्यागी को आगरा ग्रुप का बैस्ट कैडिट चुना गया तथा उत्तर प्रदेश द्वितीय बैस्ट कैडिट भी चुना गया। उनका चयन फ्लैग एशिया ब्रिफिंग हुआ तथा प्रधानमंत्री रैली मार्चिंग दस्ता में डाइरेक्ट्रेट जनरल से प्रशंसा पदक एवं नकद राशि 100/– से सम्मानित किया गया। अंडर ऑफिसर इंद्रजीत सिकरवार का चयन राजपथ के लिए हुआ। इन्हें प्रधानमंत्री रैली में टेबिल ड्रिल करने का मौका मिला। उनका चयन फ्लैग एशिया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए भी हुआ। इनकी प्रतिभा को देखते हुए इन्हें डाइरेक्ट्रेट जनरल, एडिशनल डाइरेक्ट्रेट जनरल से प्रशंसा पदक एवं 1000/– से सम्मानित किया गया। अंडर ऑफिसर विशाल पचौरी का चयन प्रधानमंत्री रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए हुआ। इन्हें भी एडिशनल डाइरेक्ट्रेट जनरल से प्रशंसा पदक एवं 1000/– नकद राशि प्राप्त करने का मौका मिला। इसके साथ ही डी.ई.आई टेक्नीकल के तीनों कैडिट्स का चयन यूथ एक्सचेन्ज प्रोग्राम के लिए भी हुआ। जिसमें आगरा ग्रुप से केवल 5 कैडिटों का चयन हुआ। जिसमें वे विदेशों में जाकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके बाद आगरा ग्रुप को "ए.डी. जी चैम्पियन बैनर से सम्मानित किया" यह सम्मान पहली बार आगरा ग्रुप को मिला। सामाजिक कार्यों और एरो मॉडलिंग के चलते यू.पी. डाइरेक्ट्रेट को बैस्ट डाइरक्ट्रेट के पुरस्कार से नवाज़ा गया। 11 फरवरी को तीनों कैडेट्स को आगरा के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर लोकेश मिनोचा ने सम्मानित किया।

एन. एस. एस.

संस्थान के एन. एस. एस. सेल के स्वयं सेवकों और कर्मचारियों ने 11 और 12 जनवरी, 2017 को श्रमदान की गतिविधियों का आयोजन किया। इन तिथियों पर स्वयं सेवक ने आस–पास के इलाकों में नकदहीन लेन–देन सहित विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर सामाजिक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया। 13वीं शाम को, एन. एस. एस. सेल के स्वयं सेवक और कर्मचारियों ने शहरी–सांस्कृतिक कार्यक्रम और लड़कियों के छात्रावासों में शिविर फायर और वरिष्ठ लड़कों के छात्रावास के निकट खसरा नं. 359 का आयोजन किया।

राष्ट्रीय युवा वीक (12–19 जनवरी, 2017)

12–19 जनवरी, 2017 के दौरान संस्थान में राष्ट्रीय युवा सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर एन. एस. एस. स्वयं सेवकों ने विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भाग लिया। 12 जनवरी को स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस पर संस्थान के एन. एस. एस. स्वयं सेवकों ने ''स्वामी विवेकानन्द की शिक्षा और योगदान'' पर चर्चा कार्यक्रम में सक्रिय भाग लिया। इस सप्ताह के दौरान, एन. एस. एस. स्वयं सेवकों ने डिजिटल/कैशलेस लेन–देन पर सामाजिक जागरुकता अभियान में हिस्सा लिया और पास के इलाकों में मतदाता जागरुकता अभियान में भाग लिया।

19 जनवरी, 2017 को छात्रों के बारे में जागरुकता के लिए डॉ. आनन्द रॉय की विषय–वस्तु पर डिजिटल/कैशलेस लेन–देन का आयोजन, फेकल्टी ऑफ आर्ट्स में किया गया था। बड़ी संख्या में छात्रों और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी, 2017)

संस्थान के एन. एस. एस. स्वयं सेवक नियमित रूप में भारत सरकार द्वारा शुरू किय गये मतदाता जागरुकता और पंजीकरण कार्यक्रम में सक्रिय भाग ले रहे हैं। एन. एस. एस. के सात दिवस के विशेष शिविर के दौरान आस–पास के इलाकों के छात्रों, कर्मचारियों और आम लोगों के लिए संस्थान में एक जागरुकता–सह–पंजीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। (19–25 दिसम्बर, 2016)। संस्थान ने आस–पास के

इलाकों के लोगों, गाँवों और झुग्गियों को अपनाया, वोटर सूची में उनका और खुद का पंजीकरण किया।

इस अवसर पर, 23 जनवरी, 2017 के शाम के सत्र में, एक अंतर–संकाय निबन्ध लेखन प्रतियोगिता और ''मेरा वोट नहीं होता है'' विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता भी आयाजित की गई थी। 25 जनवरी 2017 को, सुबह की प्रार्थना के बाद संस्थान के एन. एस. एस. सेल ने संस्थान के सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए आयोजित शपथ पत्र समारोह का आयोजन किया।

मुफ्त चिकित्सा एवं ग्रामीण सहायता शिविर

ग्रामीण इलाकों में लोगों के समग्र विकास के लिए, संस्थान के एन. एस. एस. सेल ने जनवरी 2017 के दौरान बहादुरपुर–पोइया घाट रोड पर दो दिवसीय मुफ़्त चिकित्सा एवं ग्रामीण सहायता शिविरों का आयोजन किया। इन शिविरों में दी जाने वाली सेवाओं में निःशुल्क चिकित्सा सेवाएँ शामिल थीं, जिनमें फ्री मेडिकल चैकअप, पैथोलॉजिक टैस्ट और दवा वितरण, होल–इन–द–वॉल (कम्प्यूटर जागरुकता कार्यक्रम), बच्चों के मनोरंजन केन्द्र, सेंटर फॉर स्पोकन इंग्लिश, एजुकेशन एण्ड कैरियर काउंसिलिंग सेवा (ग्रामीण युवाओं के लिए), ग्रामीण सहायता कक्ष (कृषि और अन्य स्थानीय समस्याओं पर सलाहकार सेवाएँ), चौपाल (पास के ग्रामीण इलाकों के लोगों के बीच संस्कृति और नैतिकता के विकास के लिए) और व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र आदि सेवाएँ प्रदान की गईं।

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक	:	प्रो. पी.के. कालड़ा
परामर्शक	:	प्रो. आदित्य प्रचण्डिया
सम्पादक	:	डॉ. नमस्या
सहायक सम्पादक	:	डॉ. सूरज प्रकाश डॉ. निशीथ गौड़
सम्पादन सहयोग	:	डॉ. कविता रायजादा श्री अमित जौहरी

समाचार संयोजक	:	डॉ. अशोक यादव डॉ. अभिमन्यु डॉ. अनीशा सत्संगी डॉ. राजीव रंजन डॉ. वीरपाल सिंह ठेनुआ डॉ. क्षमा पाण्डेय श्री मयंक कुमार अग्रवाल श्री मनीष कुमार सुश्री प्रेम प्यारी